13.04 hrs.

The Lok Sabha adjourned for Lunch till Fourteen of the Clock.

The Lok Sabha re-assembled after Lunch at five minutes past Fourteen of the Clock.

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair.*]

RE: STRIKE IN PATNA UNIVERSITY

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now, Shri Maharaj Sing Bharati.

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : मेरा एक निवेदन है। पटना यूनिवर्सिटी बन्द कर दी गई है। वहां के कर्मचारी पिछली पांच तारीख से हड़ताल पर हैं। बिहार गवर्नमेंट ने कोशिश की है कि उसका कोई रास्ता निकले लेकिन कोई रास्ता अभी तक नहीं निकल सका। मैं प्रार्थना करता हूं कि शिक्षा मंत्री महोदय इस सिलसिले में एक बयान दें और कोशिश करके, हस्तक्षेप करके मामले को तय करें। अगर उन्होंने ऐसा किया तो उनकी मांगों पर विचार हो सकता है और कोई रास्ता निकल सकता है। विद्यार्थियों की पढ़ाई वहां बन्द हो गई है, परीक्षायें बन्द हो गई हैं अगर इस ओर ध्यान न दिया गया तो स्थिति और ज्यादा खराब हो जाएगी, ऐसा खतरा है। मैं चाहता हूं कि शिक्षा मंत्री जी इस बारे में एक स्टेटमेंट सदन में दें।

14.06 hrs.

GENERAL BUDGET 1970-71—GENERAL DISCUSSION—*Contd.*

MR. DEPUTY-SPEAKER : Shri Maharaj Sing Bharati may now continue his spech.

श्री महाराज सिंह भारती (मेरठ): विरोधियों की तरफ से जो दो सज्जन कांग्रेस विरोधी और स्वतंत्र पार्टी की तरफ से बोले है उन्होंने कहा हैं कि इस सरकार ने राजस्व को ज्यादा आंका हैं। मैं नहीं जानता कि किस खयाल से उन्होंने ऐसा कहा हैं। हो सकता है कि राजस्व कम आंका जाता तो ज्यादा टेक्स लगते। लेकिन मेरा इलजाम तो ठीक इसके विपरीत हैं। जब डायरेक्ट और इंडायरेक्ट दोनों प्रकार के टेक्सों की चोरी रोकने की बात सरकार करती हैं और साथ ही साथ बैकलाग को अच्छी तरह से वसूल करने की बात सरकार करती है तो मेरे खयाल से जितना राजस्व आंका गया है, वह कम हैं, इससे ज्यादा राजस्व आएगा और इस तरह से जो कुछ जरूरी चीजों पर टैक्स लगे हैं वे घटाये जा सकते थे।

सरकार विरोधी कांग्रेस के नेता ने जो बजट की नुक्ताचीनी की हैं उस में उन्होंने कहा है कि उन्हें पुराने बजटों में और इस नए बजट में कोई मौलिक अन्तर नजर नहीं आता। अगर सचमुच दोनों कांग्रेसों को कोई अन्तर नजर नहीं आता तो फिर कुर्सी के झगड़े में वह विरोध में क्यों आ कर बैठ गए हैं ? आराम के साथ उनको उधर चले जाना चाहिये। ऐसा करके कम से कम हमारे हिस्से का जो समय वे ले जाते है, वह तो बच सकता है। प्रधान मंत्री से भी मैं कहूंगा कि कोई मौलिक अन्तर नहीं है तो पुचकार कर उनको वह वापिस बुला ले, इस में कोई बुरी बात नहीं है।

स्वतंत्र पार्टी के नेता श्री मसानी ने इस बजट के सिलसिले में कई तरह कि बातें कहीं। लेकिन आखिर में यह कहा कि यह बजट स्टेट कैपिटलिज्म का बजट हैं। अगर यह मामूली छोटा बजट कम्युनिज्म का बजट हो गया तो कल को अगर कोई सचमुच समाजवादी बजट आ गया तो मसानी साहाब क्या करेंगे। मैं आशा नहीं करता था मसानी साहाब जैसे आदमी से कि इतने छोटे से बजट को देख कर वह दुनिया के एक महान लैनिन जैसे आदमी को नीचे स्तर पर उतर कर गाली देंगे। अगर कल को कोई समाजवादी बजट आ गया तो फिर वह क्या करेंगे ? क्या अपने कपड़े फाड़ेंगे, आगरे जायेंगे, क्या करेंगे ? यह आशा उनसे नहीं की जा सकती थी। जब कोई योगी भ्रष्ट होता है तो वह गृहस्थियों से बहुत घटिया साबित होता है। इसी तरह से जब कोई समाजवादी भ्रष्ट